

**अदृष्ट वि.** (तत्.) 1. न देखा हुआ 2. अदृश्य, छिपा हुआ 3. अज्ञात 4. अस्वीकृत 5. गोपित, अवैध  
**पुं.** 1. भाग्य, प्रारब्ध 2. कर्मजन्य संस्कार 3. पूर्व जन्मों से संचित पाप-पुण्य जो इस जन्म के दुःख-सुख के कारण माने जाते हैं।

**अदृष्टगति वि.** (तत्.) 1. ऐसी संभावना जिसकी पहले कल्पना न हो और जिसकी गति-विधि समझ में न आए 2. चालबाज, कूटनीति परायण।

**अदृष्टपूर्व वि.** (तत्.) जैसा या जो पहले कभी देखा न गया हो, अनोखा, अद्भुत, विलक्षण, नया।

**अदृष्टफल वि.** (तत्.) जिसका परिणाम पहले सोचा न था, अच्छे बुरे कर्मों का भावी फल या परिणाम जिसके परिणाम अज्ञात या अदृष्ट हों।

**अदृष्टवाद पुं.** (तत्.) यह मत या विचारधारा कि कर्म का फल परलोक में मिलता है, परलोक आदि परोक्ष बातों का निरूपक सिद्धांत।

**अदृष्टाकाश वि.** (तत्.) 1. अलक्षित आकाश, आकाश का वह भाग जो दिखाई न दे 2. भाग्यरूपी आकाश।

**अदृष्टाक्षर पुं.** (तत्.) ऐसी स्याही से लिखे अक्षर जो सामान्य स्थिति में अदृश्य रहें और विशेष उपाय से पढ़े जा सकें।

**अदृष्टार्थ वि.** (तत्.) जिसका ज्ञान इंद्रियों द्वारा न हो सके, जिसका विषय इंद्रिय गोचर न हो, आध्यात्मिक या गूढ़ अर्थ रखने वाला न्याय शब्द प्रमाण का एक प्रकार जिसमें प्रमाणरूप वचन का अर्थ पारलौकिक विषय से जुड़ा होता है उदा. "दुराचारी मनुष्य नरकगामी होता है" यह धर्मशास्त्रीय वाक्य अदृष्टार्थ है।

**अदृष्टि स्त्री.** (तत्.) 1. देख न पाना, अंधापन 2. बुरी दृष्टि, कुदृष्टि **वि.** अंधा।

**अदेशस्थ वि.** (तत्.) उचित या उपयुक्त स्थान वाला न होना, बुरे देश या बुरे स्थान में स्थित कुठोर का।

**अदेखी वि.** (देश.) 1. जो दूसरे का सुख तथा उत्कर्ष न देख सके 2. अदृष्ट 3. डाही 4. न देखी हुई स्त्री. अनदेखी।

**अदेय वि.** (तत्.) 1. जो देय नहीं हो, जिसका भुगतान नहीं करना हो।

**अदेव पुं.** (तत्.) 1. देव के समान नहीं, देवविहीन, देवरहित, जो देवता को न माने, जो देवता न हो 2. 'राक्षस', दैत्य, असुर।

**अदेवक वि.** (तत्.) जो देवता के निमित्त न हो।

**अदेवमातृक वि.** (तत्.) जहाँ पर्याप्त वर्षा न होती हो, वर्षा के अभाव में तालाब आदि के जल से सिंचित।

**अदेश पुं.** (तत्.) अनुपयुक्त स्थान या देश, बुरा देश।

**अदेशकाल पुं.** (तत्.) कुदेश और कुसमय, अनुपयुक्त स्थान पर ठहरा हुआ, उपयुक्त स्थान से रहित बुरा स्थान, कुठोर, कुत्सित देश, वर्जित स्थान।

**अदेस पुं.** (तत्.) 1. आदेश, आज्ञा 2. प्रणाम।

**अदेह वि.** (तत्.) बिना शरीर का पुं. कामदेव।

**अदन्य वि.** (तत्.) दैन्य रहित, जिसमें दीनता न हो पुं. दीनता का अभाव, अदीनता।

**अदैव, अदैवी वि.** (तत्.) 1. देवताओं या उनके कार्य से असंबद्ध 2. जो भाग्य या देवताओं द्वारा पूर्वनिर्धारित न हो।

**अदोष वि.** (तत्.) निर्दोष, दूषणहीन, निष्कलंक। पुं. दोष का अभाव।

**अदोह पुं.** (तत्.) वह समय जिसमें गाय आदि का दुहना संभव नहीं, न दुहना, दोहन के व्यवहार का अभाव।

**अद्यापि क्रि.वि.** (तत्.) 1. आज भी, अब भी, इस समय भी 2. अब तक, आज तक।

**अद्भुत वि.** (तत्.) अनोखा, अजीब, अनूठा, आश्चर्यजनक, विलक्षण, विचित्र, अपूर्व, अलौकिक पुं. आश्चर्य, विस्मयकारक घटना।

**अद्भुतकर्मा वि.** (तत्.) आश्चर्यजनक काम करने वाला, विलक्षण कामों को कर देने वाला, विचित्र कामों का कर्ता, अनोखे कार्य करने वाला, जो काम पहले न हुए हों उन्हें कर देने वाला।

**अद्भुततत्त्व पुं.** (तत्.) विचित्रता, अनोखापन।

**अद्वयतामील स्त्री.** (फा.) किसी मुकदमे आदि में क्रियान्वयन का न होना।